

**शिवति स्त्री.** (तत्.) भौ. बहुत दूरी से (किसी अन्य ग्रह से) दीखने वाली अन्य ग्रह की चमक।

**शिवत्र पुं.** (तत्.) आयु. मेलानिन के अभाव के कारण शरीर पर दिखने वाले सफेद दाग, श्वेत-कुष्ठ। *lucoderma*

**श्वेत वि.** (तत्.) सफेद।

**श्वेतक पुं.** (तत्.) 1. चाँदी 2. प्राणि. पक्षियों आदि के अंडों में स्थित श्वेत तरल पदार्थ जो पीतक के चारों ओर स्थित होकर उसे पोषण देता है।

**श्वेतकुष्ठ पुं.** (तत्.) दे. शिवत्र।

**श्वेतग्रीव वि.** (तत्.) जिसकी गर्दन सफेद हो जैसे-बगुला प्रायः श्वेतग्रीव होता है।

**श्वेतता स्त्री.** (तत्.) श्वेत होने का भाव या गुण। सफेदी।

**श्वेतत्व पुं.** (तत्.) दे. श्वेतता।

**श्वेतपत्र पुं.** (तत्.) वह प्रामाणिक विवरण या सरकारी विज्ञप्ति जो किसी हालिया जाँच के परिणामों, या महत्वपूर्ण घटनाओं या नीतियों को स्पष्ट करने के लिए प्रकाशित की जाती है।

**श्वेतपुष्पी वि.** (तत्.) 1. सफेद फूलों वाला पुं. वन.वि. वे पादप जिसके फूल सफेद होते हैं।

**श्वेतवाजी वि.** (तत्.) सफेद घोड़ों वाला पुं. 1. इंद्र 2. अर्जुन 3. चंद्रमा।

**श्वेतवाह वि.** (तत्.) सफेद रंग के वाहन वाला पुं. दे. श्वेतवाजी।

**श्वेतवाहन पुं.** (तत्.) दे. श्वेतवाह।

**श्वेतसार पुं.** (तत्.) कत्था, खदिर, खैर।

**श्वेतस्य पुं.** (तत्.) दे. श्वेतवाजी।

**श्वेतांग वि.** (तत्.) गौर वर्ण का, गोरा।

**श्वेतांबर पुं.** (तत्.) 1. सफेद रंग का कपड़ा 2. जैन धर्म का एक संप्रदाय जिसमें सफेद वस्त्र पहनने का प्रावधान है।

**श्वेता स्त्री.** (तत्.) श्वेत वर्णवाली पुं. 1. स्फटिक 2. फिटकरी 3. मिश्री।

**श्वेताक्ष पुं.** (तत्.) सोमलता का एक भेद।

**श्वेताणु पुं.** (तत्.) आयु. रक्त में स्थित श्वेत अणु। *white cells*

**श्वेताभा वि.** (तत्.) श्वेत आभा वाला।

**श्वेताम्लि स्त्री.** (तत्.) इमली का वृक्ष या फल।

**श्वेतार्क पुं.** (तत्.) सफेद फूलों वाला आक का वृक्ष वि. यह वृक्ष पुराना हो जाने पर इसकी जड़ों में गणेश की मूर्ति जैसी आकृति बन जाती है। श्वेतार्क गणपति के पूजन का बड़ा महत्व है।

**श्वेतार्चि वि.** (तत्.) श्वेत किरणों वाला चंद्रमा।

**श्वेतावर पुं.** (तत्.) एक शाक जिसे लोक भाषा में 'सितावर' कहते हैं।

**श्वेताश्व पुं.** (तत्.) दे. श्वेतवाजी।

**श्वेतिका स्त्री.** (तत्.) सौंफ।

**श्वेतित वि.** (तत्.) सफेद किया हुआ।

**श्वेतिमा स्त्री.** (तत्.) सफेदी।

**श्वेतोदर वि.** (तत्.) सफेद पेट वाला पुं. 1. कुबेर 2. सर्प की एक जाति।

**श्वेतौही स्त्री.** (तत्.) इंद्र की पत्नी, शची।

**श्वैत्य पुं.** (तत्.) 1. सफेदी 2. दे. शिव।

**श्वैत्र पुं.** (तत्.) दे. शिवत्र।

**ष** 1. हिंदी या नागरी वर्णमाला का इकतीसवां व्यंजन वर्ण, इसका उच्चारण स्थान मूर्धा होने से मूर्धन्य वर्ण, वैसे इस वर्ण का व्यावहारिक दृष्टि से दो प्रकार से उच्चारण होता है- 'श' के समान और 'ख' के समान; व्रज और अवधी में विशेष रूप से 'ष' का उच्चारण 'ख' की तरह होता है, भाषाविज्ञान के अनुसार यह ऊष्म तथा महाप्राण वर्ण है पुं. (तत्.) सांड, बैल 2. नपुंसक, विभिन्न विद्वानों ने नपुंसक के 14-20 तक भेद बताए हैं, हिजड़ा 3. राशि, ढेर 4. भेड़ों आदि का झुंड 5. शिव का एक नाम वि. (तत्.) बुद्धिमान, सर्वोत्तम, विद्वान पुं. 1. केश 2. स्वर्ग 3. अंत 4. हानि, विनाश 5. शेष 6. मोक्ष 7. भ्रूण 8. धैर्य 9. चूचुक 10. गर्भस्राव।

**षंडत्व पुं.** (तत्.) नपुंसक होने का भाव, नपुंसकता, नामर्दी, हीजड़ापन।

**षंडामक पुं.** (तत्.) शुक्राचार्य के पुत्र का नाम।

**षंडाली स्त्री.** (तत्.) 1. व्यभिचारिणी स्त्री 2. सरोवर, तालाब, जोहड़।